चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar ujala **Date:25-06-2023**

कैंपस प्लेसमेंट में भाग लेते छात्र और छात्राएं। संवाद

साफ कपड़े पहन साक्षात्कार के लिए जाएं : अंजलि

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रकोष्ट के तहत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास के बारे में बताया गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) से अंजलि अग्रवाल ने विद्यार्थियों को बताया कि साक्षात्कार देने जाते समय साफ सुथरे कपड़े पहनें।

उन्होंने बताया कि जब भी कोई कंपनी किसी विश्वविद्यालय में कैंपस इंटरव्यू के लिए जाती है तो प्लेसमेंट करने से पहले विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के बारे में बातचीत करती है। कंपनी की जरूरत के हिसाब से जिन विद्यार्थियों की डिग्री एवं योग्यता सही पाई जाती है उनका रिज्यूम कंपनी के अधिकारियों को भेजा जाता है। इसके बाद विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टेस्ट होता है। इसके बाद इसमें पास होने वाले विद्यार्थियों का टेक्निकल टेस्ट लिया जाता है। उन दोनों टेस्ट को पार करने वाले विद्यार्थियों को समूह वार्तालाप के लिए बुलाया जाता है। कहा कि साक्षात्कार में जाते समय साफ-सुथरे कपड़े पहनें। संवाद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Hari Bhoomi **Date: 25-06-2023**

कैंपस प्लेसमेंट के दौरान होने वाले पहलुओं से अवगत करवाया

टेक्निकल वार्तालाप इंटरव्यूह में लाभकारी: अंजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विवि जींद में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तहत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास के लिए शनिवार को टाटा कंसल्टेंसी सर्विस टीसीएस से अंजली अग्रवाल ने विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के दौरान होने वाले विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया बताया कि जब भी कोई कंपनी किसी विवि में कैंपस इंटरव्यू के लिए जाती है तो प्लेसमेंट करने से पहले विवि के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के बारे में बातचीत करती है इस

कैंपस प्लेसमेंट में भाग लेते हुए छात्र व छात्राएं।

बातचीत में कंपनी द्वारा अपनी जरूरतों को बताया जाता है। उस आवश्यकता में विशेषकर छात्रों की एजुकेशन क्वालिफिकेशन के बारे में चर्चा होती है। कंपनी की जरूरत के हिसाब से जिन विद्यार्थियों की डिग्री एवं योग्यता सही पाई जाती है उनका रिज्यूम कंपनी के अधिकारियों को भेजा जाता है, इसके पश्चात कंपनी विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टेस्ट लेती है। यह एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक टेस्ट होता है जिसमें विद्यार्थी कंपनी में काम करने के अनुरूप है या नहीं यह पता किया जाता है। इसके पश्चात इसमें पास होने वाले विद्यार्थियों का टेक्नीकल टेस्ट लिया जाता है। उन दोनों टेस्ट को पार करने वाले छात्रों को समूह वार्तालाप के लिए बुलाया जाता है। जिसमें विद्यार्थियों की कम्युनिकेशन स्किलए इंटरएक्टिव स्किल, कॉफिडेंस लेवल, लीडरशिप स्किल, क्रिटिकल थिंकिंग, एटीट्यूड, लिसनिंग स्टील और नॉलेज की जांच की जाती है। बताया कि समूह वार्तालाप एवं इंटरव्यू में जाते समय साफ.-सुथरे कपड़े बॉडी लैंग्वेज पर ध्यान रखना चाहिए। सामने वाले को देख कर बोलना चाहिए एवं उसी विषय पर बोलना चाहिए जिस विषय पर चर्चा चल रही है। जब भी किसी कंपनी को इंटरव्यूह देने जाएं तो सबसे पहले उस कंपनी के बारे में अच्छे से जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आपका रिज्यूम परिचय विषय प्रस्तुत करना टेक्निकल वार्तालाप इंटरव्यूह में बहुत लाभकारी होता है। इंटरव्यू लेने वाला इंटरव्यू देने वाले का आत्मविश्वास, पॉजिटिव एटीट्यूड और थॉटफुल लीडरशिप स्किल और क्लेरिटी ऑफ विजन को चेक करता है। विद्यार्थी को बहुत ही संयम एवं शांत होकर इंटरव्यू देना चाहिए।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: India Timer **Date: 25-06-2023**

सीआरएसयू में नौकरी पाने के दिये गये टिप्स

इंटरव्यू में जाते समय साफ-सुथरे कपड़े,बॉडी लैंग्वेज का रखे ध्यान : अंजली

जींद,ब्यूरो(इंडिया टाइमर): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास के लिए आज टाटा कंसल्टेंसी सर्विस टीसीएस से कुमारी अंजली अग्रवाल ने शनिवार विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के दौरान होने वाले विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के डायरेक्टर डॉ अनुपम भाटिया ने कुमारी अंजली अग्रवाल का धन्यवाद ज्ञापन कर उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया । इस मौके पर कुमारी पल्लवी, राघव,रवि, भीम सिंह उपस्थित रहे। अंजली अग्रवाल ने बताया कि जब भी कोई कंपनी किसी विश्वविद्यालय में केंपस इंटरव्यू के लिए जाती है तो प्लेसमेंट करने से पहले विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के बारे में बातचीत करती है। इसके पश्चात कंपनी विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टेस्ट लेती है। यह एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक टेस्ट होता है जिसमें विद्यार्थी कंपनी में काम करने के अनुरूप है या नहीं यह पता किया जाता है। इसके पश्चात इसमें पास होने वाले विद्यार्थियों का टेक्निकल टेस्ट लिया जाता है। उन दोनों टेस्ट को पार करने वाले विद्यार्थियों को समूह वार्तालाप के लिए बुलाया जाता है। जिसमें विद्यार्थियों की कम्युनिकेशन स्किल, इंटरएक्टिव स्किल, कॉन्फिडेंस लेवल, लीडरशिप स्किल , क्रिटिकल थिंकिंग, एटीट्यूड, लिसनिंग स्टील और नॉलेज की जांच की जाती है। उन्होंने बताया कि समूह वार्तालाप एवं इंटरव्यू में जाते समय साफ-सुथरे कपड़े बॉडी लैंग्वेज पर ध्यान रखना चाहिए। इंटरव्यू लेने वाला इंटरव्यू देने वाले का आत्मविश्वास, पॉजिटिव एटीट्यूड और थॉटफुल लीडरशिप स्किल और क्लेरिटी ऑफ विजन को चेक करता है।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesri **Date:25-06-2023**

इंटरव्यू में जाते समय साफ-सुथरे कपड़े-बॉडी लैंग्वेज पर ध्यान रखना चाहिए : अंजलि

कैम्पस प्लेसमेंट में भाग लेते हुए छात्र-छात्राएं।

छात्रों को कैम्पस प्लेसमेंट के दौरान होने वाले पहलुओं से अवगत करवाया

जींद, 24 जून (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तहत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास के लिए शनिवार को टाटा कंसल्टैंसी सर्विस से अंजली अग्रवाल ने विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के दौरान होने वाले विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि जब भी कोई कंपनी किसी विश्वविद्यालय में कैम्पस इंटरव्यू के लिए जाती है तो प्लेसमेंट करने से पहले विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के बारे में बातचीत करती है इस बातचीत में कम्पनी द्वारा अपनी जरूरतों को बताया जाता है। उस आवश्यकता में विशेषकर विद्यार्थियों की एजुकेशन क्वालिफिकेशन के बारे में चर्चा होती है। कम्पनी की जरूरत के हिसाब से जिन विद्यार्थियों की डिग्री एवं योग्यता सही पाई जाती है उनका रिज्यूम कम्पनी के अधिकारियों को भेजा जाता है। इसके पश्चात कम्पनी विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टैस्ट लेती है। यह एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक टैस्ट होता है जिसमें विद्यार्थी कम्पनी में काम करने के अनुरूप है या नहीं यह पता किया जाता है।

इसके पश्चात इसमें पास होने वाले विद्यार्थियों का टैक्नीकल टैस्ट लिया जाता है। उन दोनों टैस्ट को पास करने वाले विद्यार्थियों को समूह वार्तालाप के लिए बुलाया जाता है जिसमें विद्यार्थियों की कम्युनिकेशन स्किल, इंटरएक्टिव स्किल, कॉफिडैंस लेवल, लीडरशिप स्किल, क्रिटिकल थिंकिंग, एटीट्यूड, लिसनिंग स्टील और नॉलेज की जांच की जाती है।

उन्होंने बताया कि समूह वार्तालाप एवं इंटरव्यू में जाते समय साफ-सुथरे कपड़े, बॉडी लैंग्वेज पर ध्यान रखना चाहिए। सामने वाले को देख कर बोलना चाहिए एवं उसी विषय पर बोलना चाहिए जिस विषय पर चर्चा चल रही है। जब भी किसी कम्पनी को इंटरव्यू देने जाएं तो सबसे पहले उस कम्पनी के बारे में अच्छे से जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि आपका रिज्यूम परिचय विषय प्रस्तुत करना टैक्नीकल वार्तालाप इंटरव्यू में बहुत लाभकारी होता है। इंटरव्यू लेने वाला इंटरव्यू देने वाले का आत्मविश्वास, पॉजिटिव एटीट्यूड और थॉटफुल लीडरशिप स्किल और क्लैरिटी ऑफ विजन को चेक करता है। विद्यार्थी को बहुत ही संयम एवं शांत होकर इंटरव्यू देना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में जो सीखा उसके बारे में अपने विचार प्रकट किए इसके पश्चात ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के डायरैक्टर डा. अनुपम भाटिया ने अंजली अग्रवाल का धन्यवाद ज्ञापन किया एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया।

इस मौके पर पल्लवी, राघव, रवि, भीम सिंह उपस्थित रहे।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Jind Bhaskar **Date: 25-06-2023**

पर्सनालिटी डेवलपमेंट के बारे में विद्यार्थियों का लिया इंटरव्यू

भास्कर न्यूज | जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास के लिए कार्यक्रम आयोजित हुआ। टाटा कंसल्टेंसी सर्विस की एक्सपर्ट कुमारी अंजली अग्रवाल ने बताया कि जब भी कोई कंपनी किसी विश्वविद्यालय में कैंपस इंटरव्यू के लिए जाती है तो प्लेसमेंट करने से पहले विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के बारे में बातचीत करती है। कंपनी की जरूरत के हिसाब से जिन विद्यार्थियों की डिग्री एवं योग्यता सही पाई जाती है, उनका रिज्यूम कंपनी के अधिकारियों को भेजा जाता है।

उन्होंने बताया कि कंपनी विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टेस्ट लेती है। यह एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक टेस्ट होता है। जिसमें विद्यार्थी

जींद. कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

कंपनी में काम करने के अनुरूप है या नहीं यह पता किया जाता है। इसमें पास होने वाले विद्यार्थियों का टेक्निकल टेस्ट लिया जाता है। उन दोनों टेस्ट को पार करने वाले विद्यार्थियों को समूह वार्तालाप के लिए बुलाया जाता है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के डायरेक्टर डॉ. अनुपम भाटिया ने कुमारी अंजली अग्रवाल को स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर कुमारी पल्लवी, राघव, रवि, भीम सिंह आदि मौजूद रहे।